राम नाम रस पीजै मनुवा

राम नाम रस पीजै मनुवा,
राम नाम रस पीजै

तजि कुसंग सतसंग बैठि नित,
हरि-चर्चा सुनि लीजै ।

काम क्रोध मद मोह लोभ को ,
बहा चित से दीजै ।

मीरा के प्रभु गिरधर नागर,
ताही के रंग में भीजै ।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14474/title/ram-nam-ras-peeje-manuva

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |